# एनआईटी की छात्राओं ने स्वर्ण पदक कब्जाया

## इंटर-प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय खेल संघ की ओर से शतरंज प्रतियोगिता

अमर उजाला ब्यूरो Amar Ujala 17/09/14

**कुरुक्षेत्र।** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कुरुक्षेत्र में दो दिवसीय इंटर-प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय खेल संघ के तहत शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में संस्थान के डीन (छात्र व कल्याण) प्रोफेसर पीजे फिलिप उपस्थित थे। प्रतियोगिता में एनआईटी कुरुक्षेत्र, एनआईटी जालंधर, टीट थापर पटियाला, पैक चंडीगढ़ व स्लाइट लोंगोवाल के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। एनआईटी कुरुक्षेत्र की छात्राओं ने एनआईटी जालंधर की छात्राओं को कड़ी स्पर्धा के पश्चात पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक जीत कर कीर्तिमान स्थापित किया। एनआईटी जालंधर ने द्वितीय व स्लाइट लोंगोवाल व पैक चंडीगढ़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

छात्र वर्ग में टीट थापर विश्वविद्यालय पटियाला की टीम ने प्रथम स्थान, पैक चंडीगढ़ की टीम ने द्वितीय व एनआईटी कुरुक्षेत्र की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एनआईटी कुरुक्षेत्र की वैष्णवी आनंद ने विजयी रहते हुए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का गौरव प्राप्त किया। समापन पर मुख्यातिथि ने सभी विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के अंत में एनआईटी कुरुक्षेत्र के खेलकूद अध्यक्ष प्रोफेसर पीसी तिवारी ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी शिक्षकों, अधिकारियों, खेल प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों व टीम प्रबंधकों का आभार व्यक्त किया और प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर खेल-कूद (बालिका वर्ग) अध्यक्ष प्रोफेसर रतना दहिया, प्रोफेसर अनिल दहिया (इंचार्ज शतरंज), स्पोर्ट्स ऑफिसर पल्लवी राय व शहाबुद्दीन सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण व कर्मचारीगण तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

एनआईटी में आयोजित शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेतीं छात्राएं। अमर उजाला

एनआईटी में विजेता खिलाड़ियो को सम्मानित करते मुख्यातिथि प्रोफेसर पीजे फिलिप। अमर उजाला

# प्रौद्योगिकी की उपयोगिता पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

## प्रदेश के इंजीनियरिंग एवं गैर इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के शिक्षकों को उच्च शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उठाना चाहिए लाभ

*इंडिया केसरी/रोटा*

India Kesari 28/09/14

**कुरुक्षेत्र।** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (निट) कुरुक्षेत्र में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन (एनएमईआईसीटी) विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के जुबली हॉल में आयोजित किया गया। इस प्रदेशस्तरीय कार्यक्रम का उद्देश्य समस्त हरियाणा प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग एवं गैर इंजीनियरिंग महाविद्यालयों, बहुतकनिकी संस्थानों के शिक्षकों को उच्च शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर उच्च शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने को लेकर जागरूकता बढ़ाने का था। इस कार्यक्रम का उदघाटन मुख्यअतिथि के रूप में प्रो. एम.पी. पुनिया, निदेशक (राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान) चण्डीगढ़ ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर मुख्यअतिथि ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश में लगभग हर प्रदेश में तकनीकी संस्थानों की संख्या में एक विस्फोट सा हुआ है लेकिन इन संस्थानों से निकलने वाले स्नातकों की गुणवत्ता अच्छी नही है। केवल 10 से 20 प्रतिशत स्नातक ही रोजगार के पात्र पाए जाते हैं। इस स्थिति के लिए उन्होंने शिक्षा प्रणाली की कमियों एवं विशेष रूप से अच्छे शिक्षकों की कमी की ओर ध्यानकर्षण किया और जिम्मेवार बताया। उन्होंने बताया कि इन समस्याओं को ई-शिक्षण और संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से दूर किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि एनएमईआईसीटी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जो कि भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्थान के निदेशक प्रो. आनन्द मोहन ने कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं एनएमईआईसीटी के लक्ष्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह भारत सरकार का एक महत्वकांक्षी मिशन है और भारत की उच्च शिक्षा में दोनों मात्रा एवं गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के माध्यम से लागू किया है। उन्होंने सरकार की इस पहल का स्वागत किया और इस सबंध में आगे आने तथा इस मिशन के माध्यम से उपलब्ध धन एवं सुविधाओं का उपयोग करने के लिए हरियाणा में शिक्षक बिरादरी को आंमत्रित किया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एनएमईआईसीटी पर आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम को संयुक्त रूप से हरियाणा में उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों के लिए निट कुरुक्षेत्र एवं एनआईटीटीटीआर, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम में विभिन्न विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए जिनमें प्रमुख रूप से एनआईटीटीटीआर, चण्डीगढ़ से प्रो. एस.एस. पटनायक और प्रो.मैत्री दत्ता, आईआईटी कानपुर से प्रो. वाई.एन. सिंह, आईआईटी बॉम्बे से प्रो. कुसुम व अम्रिता, युनिवर्सीटी कोयम्बटोर से अभिषेक गर्ग शामिल रहे। प्रो. वाई.एन. सिंह ने गुगल हैंग आऊट के माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. सतहंस (संयोजक कार्यक्रम) ने बताया कि हरियाणा भर से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया और विशेषज्ञों के व्याख्यानों द्वारा स्वंय को लाभान्वित किया। अंत में उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग एवं तकनीकी शिक्षा विभाग हरियाणा सरकार का विशेष रूप से आभार जताया।

मुख्यअतिथि प्रो. एम.पी. पूनिया को सम्मानित करते हुए निट निदेशक प्रो. आनंद मोहन (छाया : इंडिया केसरी)

# निट में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत, कैंपस में सफाई व्यवस्था को किया गया दुरुस्त

कुरुक्षेत्र (रामपाल) : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (निट) में 2 अक्तूबर महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्र-छात्राएं में देश के प्रति सफाई व्यवस्था की भावना को जागृत करना था। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में संस्थान के कार्यकारी निदेशक प्रो. ए. स्वरूप उपस्थित थे। उन्होंने महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी। उन्होंने कहा कि हम सब को मिलकर स्वच्छ भारत अभियान में निरतंर बढ़-चढ़कर सहयोग देना चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि हर वर्ष 100 घंटे यानि कि हर सप्ताह 2 घंटे सफाई का श्रमदान करके हम अपने देश के स्वच्छ भारत अभियान को सफल बना सकते हैं। इस अवसर निट निदेशक ने उपस्थित सभी शिक्षकगणों, कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं को शपथ दिलवाकर भारत के स्वच्छ भारत मिशन को ज्यादा से ज्यादा प्रचार करने के लिए प्रेरित किया। संस्थान का प्रयास है कि समाज को सफाई अभियान के प्रति जागरुक किया जाए और स्वच्छ रहने की आदत डाली जाए। इस अवसर पर संस्थान के कर्मचारियों ने प्रो. के.के. सिंह, डीन(सम्पदा विभाग) के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान के तहत निट कैंपस में सफाई व्यवस्था को दरुस्त किया गया। संस्थान के एमसीए विभाग के छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने भी अपने विभाग की कक्षाओं, विभाग के कार्यालय व आस-पास की जगहों पर सफाई करके इस अभियान में अपना योगदान दिया। प्रो. के.के. सिंह ने बताया कि निट कैंपस में स्वच्छ भारत अभियान के तहत सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत कर दी गई है और आने वाले समय में निट कैंपस में स्वच्छ भारत अभियान को लेकर कई तरह के कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर संस्थान के सभी डीन, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण व कर्मचारीगणों सहित भारी मात्रा में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सफाई अभियान में कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं को शपथ दिलवाते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. ए. स्वरूप। (रोहिला)

### राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में तीन दिवसीय टैलेंट शो का रंगारंग समापन हुआ, अंतिम दिन नाटक का मंचन

# 'गधे की बारात' देख हंसी से लोटपोट हुए दर्शक

Dainik Bhaskar 13/10/14

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र

**राष्ट्रीय** प्रौद्योगिकी संस्थान (निट) में चल रहे तीन दिवसीय टैलेंट शो का रविवार रात को जुबली हॉल में रंगारंग समापन हुआ। समापन समारोह का शुभारंभ एकांकी निर्देशक विश्वदीपक त्रिखा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने मास्टर शेफ को अपनी पसंदीदा प्रतियोगिता बताते हुए विद्यार्थियों को अगले साल फरवरी में संपन्न होने वाले कांफ्लुएंस में और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी। संस्थान के डीन प्रो. पीजे फिलिप ने विद्यार्थियों को सफल कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बधाई भी दी। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में पिछले दो दिनों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों की झलकियों की प्रस्तुति हुई। अनुप्रिया के एकल गायन ने लोगों को चेहरों पर हंसी बिखेरी, वहीं साहिल के डांस और अभिमन्यु के पियानो-वादन ने समा बांधा। एलएसडी ग्रुप के सदस्यों ने डांस की धमाकेदार प्रस्तुति दी। हिंदी समिति की ओर से आयोजित तलाश-ए-कोहिनूर में प्रवीण दूधवाल व नमिता और कवि सम्मेलन में पूर्णिमा ने पहला स्थान प्राप्त किया। रोडीज में दिव्या, मास्टर शेफ में संजना व हेमा और एकल वादन में अभिमन्यु ने पहला स्थान प्राप्त किया।

हास्य से भरपूर इस नाटक में कल्लू कुम्हार की भूमिका हरीश गेरा ने निभाई। वहीं गंगी के किरदार में सुजाता रोहिला, चित्रसेन अविनाश सैनी, दिवान व गुरु बृहस्पति सुरेंद्र शर्मा, राजकुमारी चांदनी, नेहा गौड़, राज नर्तकी भारती, बुआ जी वंदना शर्मा, द्वारपाल विकास और राजा इंद्र व चौपट सिंह की भूमिका स्वयं विश्व दीपक त्रिखा ने निभाई।

कुरुक्षेत्र | निट में आयोजित टैलेंट शो में प्रस्तुति देते प्रतिभागी।

## एक रात में किया पुल तैयार

चित्रसेन गधा बनकर पृथ्वी लोक में आ जाता है और कल्लू के अन्य गधों के साथ रहने लगता है। एक दिन अंधेर नगरी का राजा अपने नगर में मुनियादी करवाता है कि जो कोई भी महल से लेकर गरीबों की बस्ती तक एक रात में पुल तैयार कर देगा, उसका विवाह राजकन्या चांदनी से किया जाएगा। मुनियादी सुनकर चित्रसेन गधा कल्लू को बताता है कि वह एक रात में पुल तैयार कर देगा। कल्लू उसकी बात मान लेता है। चित्रसेन एक रात में पुल तैयार कर देता है और कल्लू कुम्हार अपने गधे को दुल्हा बनाकर राजा चौपट सिंह के महल पहुंच जाता है। महल पहुंचने पर राजा चौपट सिंह एक गधे को अपना दामाद बनते देख अपनी जुबान से फिरने लगता है। कल्लू चतुराई से उसकी बेटी का विवाह चित्रसेन गधे से करा देता है। राजकन्या जैसे ही गधे को वरमाला डालती है, गधा श्राप मुक्त होकर गंधर्व बन जाता है और कल्लू कुम्हार व गंगी को पहचानने तक से इंकार कर देता है। राजा एक गंधर्व को अपना दामाद बनते देखकर खुश होता है और कल्लू व उसकी पत्नी को धक्के मारकर बाहर निकलवा देता है।

## राजा इंद्र के दरबार स्वर्गलोक जा रहे हैं

निट टैलेंट शो के समापन पर प्रसिद्ध रंगकर्मी विश्वदीपक त्रिखा द्वारा निर्देशित नाटक गधे की बारात का मंचन किया गया। कलाकारों ने अपनी अदाकारी से निट के जुबली हॉल में बैठे सभी दर्शकों को सवा घंटे तक लोट पोट किया। नाटक की कहानी एक कुम्हार कल्लू व उसकी पत्नी गंगी की नोक-झोंक से शुरू होती है, जिसमें कल्लू की पत्नी अपने पति से गधे हांक कर लाने के लिए जिद करती रहती है। अपनी पत्नी की बात मानकर कल्लू गधे चराने निकल पड़ता है। जहां उसकी मुलाकात देवों के गुरु बृहस्पति से होती है। कल्लू गुरु बृहस्पति से पूछता है कि वह कहां जा रहे हैं? गुरु बृहस्पति कल्लू को बताते है कि वह राजा इंद्र के दरबार स्वर्गलोक में जा रहे हैं। कल्लू भी जिद करके गुरु बृहस्पति के साथ इंद्र के दरबार पहुंच जाता है। वहां पहुंचकर कल्लू देखता है कि राजा इंद्र के दरबार में एक गंधर्व चित्रसेन अप्सरा रंभा का हास-परिहास में हाथ पकड़ लेता है, जिस कारण राजा इंद्र उसे पृथ्वी लोक में गधा बनकर घूमने का श्राप दे देते हैं। चित्रसेन के माफी मांगने के बाद इंद्र उसे वरदान भी देते हैं कि जब उसका विवाह अंधेर नगरी के राजा चौपट सिंह की बेटी के साथ होगा तो वह श्राप मुक्त हो जाएगा।

कुरुक्षेत्र | निट में आयोजित टैलेंट शो में प्रस्तुति देती प्रतिभागी।

# अंतर विभागीय शोध पर सम्मेलन में मंथन

## एनआईटी में 'अणु व पदार्थ की तत्वज्ञता' पर राष्ट्रीय सम्मेलन

Amar Ujala 17/10/14

अमर उजाला ब्यूरो

**कुरुक्षेत्र।** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में 'अणु व पदार्थ की तत्वज्ञता' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन संस्थान के सीनेट हॉल में किया गया। इस दो दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य संयुक्त व अंतर विभागीय शोध के महत्त्व को उजागर करना था। सम्मेलन का शुभारंभ संस्थान के निदेशक तथा सम्मेलन के संरक्षक प्रोफेसर आनंद मोहन की अध्यक्षता में संयोजक डॉ. राम सेंथिल कुमार और डॉ. डी एमलिन जोंस द्वारा किया गया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर आनंद मोहन ने कहा कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन का विद्यार्थियों व शिक्षकों पर बहुत ही सकारात्मक परिणाम पड़ेगा तथा भविष्य में एक साथ काम करने के नए आयाम खुलेंगे।

सम्मेलन में आईआईएसईआर मोहाली के निदेशक प्रोफेसर एन सत्यमूर्ति मुख्यातिथि तथा एचईएमआरएल (डीआरडीओ) के पूर्व निदेशक प्रोफेसर हरिद्वार सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रोफेसर एसएन उपाध्याय, प्रख्यात वैज्ञानिक प्रोफेसर हरिद्वार सिंह, प्रोफेसर एस सरकार, बीइएसयू शिबपुर, प्रोफेसर अनिल जे इलियास तथा प्रोफेसर रमणन (आईआईटी दिल्ली) ने सम्मेलन के मूल सिद्धांतों पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। सम्मेलन से संबंधित विषय पर एक मौलिक एवं सचित्र प्रस्तुति भी दी। सम्मेलन में कॉन्फ्रेंस नामक पत्रिका का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन में वैज्ञानिकों, शोध छात्रों व उद्योगों के प्रतिनिधियों सहित लगभग 150 लोगों ने भाग लिया। सम्मेलन के बाद संस्थान के निदेशक प्रोफेसर आनंद मोहन ने 'एडवांसड एनेलेटिकल इंस्ट्रूमेंट्स लैब' का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर प्रोफेसर हरिद्वार सिंह, प्रोफेसर एसएन उपाध्याय, प्रोफेसर एमआर मौर्या, प्रोफेसर मयंक दवे, डीन (शोध व परामर्श), प्रोफेसर पीजे फिलिप, डीन (छात्र-कल्याण) सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित थे।

एनआईटी में सम्मेलन के दौरान कॉन्फ्रेंस नामक पत्रिका का विमोचन करते मुख्यअतिथि प्रोफेसर एन सत्यमूर्ति, संस्थान के निदेशक प्रोफेसर आनंद मोहन, प्रोफेसर हरिद्वार सिंह तथा प्रोफेसर एसएन उपाध्याय। अमर उजाला

एनआईटी निदेशक प्रोफेसर आनंद मोहन मुख्यातिथि प्रोफेसर एन सत्यमूर्ति को सम्मानित करते हुए। अमर उजाला

# निट की टीम ने जीता रजत पदक

Dainik Jagran 18/10/14

फुटबॉल व टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं में विजेता खिलाड़ी। जागरण

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (निट) कुरुक्षेत्र के खिलाड़ियों ने थापर यूनिवर्सिटी पटियाला में खेले गए दो दिवसीय फुटबाल व टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं में अपना दम दिखाते हुए रजत पदक पर कब्जा कर लिया। संस्थान की फुटबाल टीम के खिलाड़ियों ने अपना पहला मैच स्लाईट लोगोंवाल के खिलाफ 2-1 से जीत कर सेमीफाइनल में अपना स्थान बनाने में कामयाब हासिल की थी।

सेमीफाइनल मुकाबले में समय पूर्ण होने तक दोनों ही टीम गोल करने में असफल रही। इसके पश्चात अतिरिक्त समय में दीपक भटट द्वारा किए गए गोल से निट हमीरपुर को 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। प्रतियोगिता के निर्णायक मुकाबले में निट जालंधर के हाथों 1-0 से हार का सामना करना पड़ा व रजत पदक से हां संताष करना पड़ा। वही दूसरी ओर पेक चंडीगढ़ मे खेली गई टेबल टेनिस प्रतियोगिता में टीम को चौथे स्थान पर ही संतोष करना पड़ा। विजयी टीम के निट पांरसर में पहुचने पर प्रा. पांसा तिवारी, प्रो. रतना दहिया, खेल अधिकारी शाहाबुद्दीन व पगवी राय ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

# निट में तकनीकी उत्सव 'आल्टिअस 2014' का शुभारंभ

Dainik Savera 19/10/14

कुरुक्षेत्र, 18 अक्तूबर (रामपाल) : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (निट) में तकनीकी उत्सव 'आल्टिअस 2014' का शुभारंभ संस्थान के जुबली हॉल में हुआ। समारोह के मुख्यातिथि संस्थान के निदेशक प्रो. आनंद मोहन रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मोहम्मद शोएब, निदेशक क्रिस्प एनॉलेटिक्स व आल्टिअस के चेयरमैन डा. ब्रह्मजीत सिंह सहित अनेक वरिष्ट प्राध्यापक उपस्थित थे। समारोह का शुभारंभ मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथि ने दीप प्रज्वलित करके किया। मुख्यातिथि संस्थान के निदेशक प्रो. आनंद मोहन ने बताया कि इस तरह के उत्सव विद्यार्थियों के सैद्धान्तिक ज्ञान को प्रायोगिक ज्ञान में समायोजित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस एक सही मार्गदर्शन और मंच की कमी है। उन्होंने तकनीकी व प्रबंधन से जुड़ी प्रतियोगिताओं के आयोजन को छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए सुनहरा अवसर भी बताया। इसके पश्चात विशिष्ट अतिथि मोहम्द शोएब ने बताया कि वे निट कुरुक्षेत्र के भूतपूर्व विद्यार्थी रह चुके हैं। उन्होंने अपने अनुभव छात्र-छात्राओं से सांझा करते कहा कि उन दिनों तकनीकी उत्सवों में छुट-पुट विद्यार्थी ही भाग लिया करते थे, लेकिन आज कल तकनीकी उत्सव में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की संख्या में काफी सुधार आया है। 'आल्टिअस 2014' के प्राध्यापक प्रभारी डा. ब्रह्मजीत सिंह ने अतिथियों, प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि संस्थान की विभिन्न समितियां माइक्रोबस, टैक्नोबाइट, मैक्सोक, इलैक्ट्रोरेक, इंफ्रास्ट्रक्चर व मैक्सपर्ट्स द्वारा आयोजित तकनीकी व प्रबंधन उत्सव है। आल्टिअस 2014' के स्मृति संकलन का विमोचन किया। डा. ब्रह्मजीत सिंह ने मुख्यअतिथि व विशिष्ट अतिथि को सम्मानित किया। संस्थान की विभिन्न समितियों द्वारा अयोजित इस उत्सव में करीब 60 से अधिक तकनीकी प्रतियोगिताओं में 1500 से अधिक प्रतिभागी भाग लेगें।

समारोह के विशिष्ट अतिथि मोहम्मद शोएब व संस्थान के निदेशक प्रो. आनन्द मोहन दीप प्रज्वलित करते हुए।

# निंबस व इंपिगों में दिनेश व आदित्य ने बाजी मारी

Amar Ujala 21/10/14

अमर उजाला ब्यूरो

**कुरुक्षेत्र।** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के जुबली हॉल में में चल रहे तीन दिवसीय तकनीकी उत्सव 'आल्टिअस-2014' का रविवार देर शाम समापन हो गया। समारोह में संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर अखिलेश स्वरूप ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की । उन्होंने बताया कि नई सोच से ही विकास की नींव डाली जा सकती है। उन्होंने इस तकनीकी उत्सव की कार्यप्रणाली के दौरान विद्यार्थियों की भागीदारी को भी सराहा और विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरणा दी। समापन समारोह पर संस्थान के डीन (छात्र-कल्याण) प्रोफेसर पीजे फिलिप ने अपने संदेश में आल्टिअस शब्द का तात्पर्य बताते हुए विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को सराहते हुए उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी।

**एनआईटी में तकनीकी उत्सव 'आल्टिअस-2014' का सफल समापन**

**रोल-ए-कोस्टर, एक्जियम और मार्केटिंग में फास्ट फाइव टीम, अभिषेक और हरलीन ने परचम लहराया**

मुख्यातिथि ने विभिन्न तकनीकी प्रतियोगिताओं में स्थान अर्जित करने वाले विद्यार्थियों एवं छात्र आयोजकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। तीन दिनों तक चले इस तकनीकी उत्सव में माइक्रोबस समिति द्वारा आयोजित मस्तिष्क शाकवेव एवं मिस्टर एरिसटोट्रले नामक प्रतियोगिता में क्रमश लोकेश मरनाल, आदर्श तथा पुशारक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वही इन्फ्रास्ट्रक्चर समिति के एसएससी एवं मिक्सक्रीट में अमन चावला व नीरज, अनंत, मोहित और संजीव की टीमें अव्वल रही। इलेक्ट्रोरेक समिति की ओर से आयोजित प्रतियोगिता निंबस तथा इंपिगों में दिनेश राणा व आदित्य कामपेला ने पहला स्थान हासिल किया। इसके साथ ही मैकशाक, टैकभनोबाइट व मैक्सर्पट्स पोस्ट ग्रेजुएट समिति द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं रोल-ए-कोस्टर, एक्जियम और मार्केटिंग में क्रमश, फास्ट फाइव टीम, अभिषेक तथा हरलीन ने अपना परचम लहराया। समारोह के समापन के अवसर पर कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर अखिलेश स्वरूप व डीन (छात्र-कल्याण) प्रोफेसर पीजे फिलिप को आल्टिअस के चेयरमैन डॉ. ब्रह्मजीत सिंह द्वारा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया गया। डॉ. ब्रह्मजीत सिंह ने सभी आयोजकों तथा विद्यार्थियों को कार्यक्रम के सफल समापन पर शुभकामनाएं दी। अंत में प्रोफेसर अरुण गोयल ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों, अतिथियों तथा कर्मचारियों का इस तकनीकी उत्सव के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्थान के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष एवं प्राध्यापकों समेत काफी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एनआईटी में विजेता प्रतिभागियों के साथ मुख्यातिथि अखिलेश स्वरूप, पीजे फिलिप, प्रोफेसर ब्रह्मजीत सिंह तथा अन्य। अमर उजाला

एनआईटी में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेते प्रतिभागी।

आयोजन

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में मनाया स्थापना दिवस मनाया

Amar Ujala 26/10/14

# संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता समझाई

अमर उजाला ब्यूरो

**कुरुक्षेत्र।** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (निट) में संयुक्त संघ का स्थापना दिवस शुक्रवार देर शाम संस्थान की स्वर्ण जयंती प्रशासनिक भवन में हर्ष एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रोफेसर आनंद मोहन ने ध्वजारोहण के साथ किया। इसके पश्चात संस्थान में एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अध्यापकगण व विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ भाग लिया। इस संगोष्ठी के प्रारंभ में संस्थान के डीन (योजना व विकास) प्रोफेसर वीके सहगल ने संयुक्त संघ के स्थापना दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते उपस्थित सभी आगंतुकों का स्वागत किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर आनंद मोहन ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता को दोहराते हुए इसके उद्देश्यों को रेखांकित किया। साथ ही उन्होंने संस्थान परिसर में संयुक्त राष्ट संघ से संबंधित गतिविधियों के आयोजन को प्रोत्साहित भी किया।

इसके पश्चात संयुक्त राष्ट संघ कार्यक्रम के सहसंयोजक व संस्थान के डीन (छात्र कल्याण) ने संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्यों, उसकी नींव से जुड़े इतिहास की घटनाओं को पावर-पॉइंट के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रोफेसर फिलिप ने न केवल भारत और संयुक्त राष्ट्र संघ के रिश्तों की गहराइयों को उजागर किया बल्कि वर्तमान समय में संघ द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से संबंधित जुड़े कार्यक्रमों की भी विस्तार से जानकारी दी।

संस्थान के निदेशक प्रोफेसर आनंद मोहन के साथ एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लेने वाले प्रतिभागी। अमर उजाला

# शपथ

कुरुक्षेत्र। देश की एकता व अखण्डता को अक्षुण बनाए रखने की शपथ लेते हुए निट निदेशक प्रो. आनन्द मोहन।

Hari Bhoomi 02/11/14

# राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में सरदार वल्लभ भाई पटेल के 139वें जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया । इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. आनन्द मोहन, प्रो. पीजे फिलिप, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। संस्थान के मुख्य भवन के सामने एनसीसी छात्रों ने एनसीसी अधिकारी लै. वीके वाजपेयी की अगुवाई में परेड का प्रदर्शन किया। इसके पश्चात संस्थान के निदेशक प्रो. आनन्द मोहन ने समस्त अध्यापकगणों व छात्रों की उपस्थिति में देश की एकता व अखण्डता को अक्षुण बनाए रखने की शपथ ली।

# United Nations Day celebrated at NIT-Kurukshetra

**HT Correspondent**
letterschd@hindustantimes.com

Hindustan Times
26/10/2014

**KURUKSHETRA:** United Nations Day was celebrated on Friday at the National Institute of Technology (NIT) here.

"The UN is the peacekeeper of the world, so it is important that we ensure its survival and success," National Institute of Technology (NIT) director Anand Mohan said at the function. He opened the celebrations by hoisting the UN flag on top of the administrative building in the presence of deans, department heads, members of the faculty, non-teaching employees, and students.

Next was a presentation and discussion session in the institute board room, where dean of planning and development VK Sehgal welcomed the gathering.

The United Nations objectives and goals were in tune with the Indian philosophy of Vasudhaiva Kutumbakam (all the world is one family), said Anand Mohan, motivating the teachers and students to build public awareness about the UN.

Student welfare dean PJ Philip talked about the UN history, organs, functioning, and agencies. In a round-table discussion, the participants talked about the biggest challenge before the UN now, to contain Ebola virus.

Dean of university estate KK Singh delivered the vote of thanks.

Students, teachers and non-teaching employees of the National Institute of Technology gathered under the United Nations flag on the campus in Kurukshetra on Saturday. HT PHOTO

# निट में हिंदी महोत्सव 'उत्कर्ष' का रंगारंग आगाज

Dainik Jagran 07/11/14

- विद्यार्थियों ने कई मनमोहक प्रस्तुतियां दी

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के डीन प्रो. अखिलेश स्वरूप ने कहा कि हिंदी भाषा प्रसार का बड़ा माध्यम है, साथ ही उन्होंने हिंदी सिनेमा जगत को प्रत्येक वर्ग में हिंदी के प्रचलन के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

बृहस्पतिवार को हिंदी कार्यान्वयन समिति अनामिका की ओर से उत्कर्ष हिंदी सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। कार्यक्रम का आगाज रंगारंग हुआ। विद्यार्थियों ने कई मनमोहक प्रस्तुतियां की। राष्ट्र में विविध भाषाओं के प्रचलन के कारण

प्रस्तुति देती छात्रा। जागरण

हिंदी महोत्सव में विचार व्यक्त करते वक्ता।

हिंदी की प्रसिद्धि बनाए रखने के लिए अन्य भाषायी शब्दों के समायोजन एवं मिश्रित भाषा के सरलीकरण का सुझाव भी दिया। अंत में उन्होंने छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हुए आयोजकों को इसके पूर्ण सफलतापूर्वक आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर हिंदी कार्यान्वयन समिति 'अनामिका' के प्राध्यापक प्रभारी प्रो. राजेश अग्रवाल ने अनामिका से परिचित कराते हुए उसके बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात उन्होंने इस हिंदी सप्ताह में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं का भी संक्षिप्त विवरण दिया। इस कार्यक्रम में रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित किए गए जिनमें कत्थक नृत्य च गाना प्रमुख रहे। इस दौरान वाद-विवाद, वाक चातुर, अभियान, संसद, मस्ती की पाठशाला, भारत को जानो व कवि सम्मेलन जैसी कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

# निट में चलाया सफाई अभियान

कुरुक्षेत्र| राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (निट) में शुक्रवार को स्वच्छता अभियान के तहत सफाई की गई। संस्थान के बीटेक चौथे वर्ष के विद्यार्थी संजीव,

Dainik Bhaskar 08/11/14

पृथ्वीराज, हर्ष, बबलू, अमित, विवेक, अंशु, चक्षित, विपिन, गीतांजलि, सचिन, विशाल, गुरविंद्र व अरविंद्र के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने कैंपस के विभिन्न क्षेत्रों की सफाई की। संस्थान के डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पीजे फिलिप, प्रो. पीसी तिवारी व प्रो. रतना दहिया ने कहा कि हमें अपने आसपास सफाई रखने को महत्व देना चाहिए। इससे ही हम नियमित सफाई रख पाएंगे।

**प्रतियोगिता :** एकांकी व जागरूकता अभियान रहा प्रमुख

# 'हिंदी के उत्थान को आगे आएं युवा'

Dainik Jagran 11/11/14

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के कंप्यूटर विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. जेके छाबड़ा ने कहा कि राष्ट्रीय भाषा हिंदी को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य करने की आवश्यकता है। इसके लिए युवाओं को आगे आना होगा, तभी राष्ट्रीय भाषा का उत्थान संभव है। वे रविवार देर सायं संस्थान की हिंदी कार्यान्वयन समिति अनामिका द्वारा मनाए जा रहे हिंदी सप्ताह 'उत्कर्ष' की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

निट में आयोजित हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह में विजेता छात्र-छात्राओं के साथ मुख्या अतिथि प्रो. जेके छाबड़ा। जागरण

कार्यक्रम के अंतिम दिन रविवार देर सांय तक कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गई व अंत में समापन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि प्रो. छाबड़ा ने कहा कि अनामिका समिति का हिंदी को बढ़ावा देने का यह प्रयास काफी प्रशंसनीय है। अंत में उन्होंने हिंदी कार्यान्वयन समिति अनामिका के आयोजकों को 'उत्कर्ष' के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के लिए बधाई भी दी। समारोह में छात्र-छात्राओं द्वारा बेहतरीन प्रस्तुतियां दी गई। इसमें आखिरी दिन की प्रतियोगिताओं में एकांकी व जागरूकता अभियान प्रमुख रही। जागरूकता अभियान के तहत निट के छात्र-छात्राओं हिन्दी भाषा के बढ़ावे को लेकर जागरूकता अभियान चलाए व नुक्कड़ नाटक द्वारा भी दर्शकों को हिंदी भाषा के ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करने के लिए संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में टीम प्रगति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एकांकी के माध्यम से टीम 'मेसमराइजरस' ने कलाकार की गरीबी को दर्शाते हुए प्रथम स्थान व टीम 'हिपनोटाइजरस' ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एकल गायन प्रतियोगिता में सौरभ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वहीं युगल नृत्य में रवि व अनिकेत की टीम ने प्रथम स्थान पर कब्जा किया। विवेक अहलावत द्वारा 'सूफी शाम' व निट भागड़ा क्रीयु (एनवीसी) की प्रस्तुति मुख्य आर्कषण का केंद्र रही। कार्यक्रम के मुख्यातिथि द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए।

Ajit Samachar 14/11/14

कार्यक्रम में प्रस्तुति देते गुरुकुल विद्यार्थी और गुरुकुल प्राचार्य को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते प्रो. आनंद मोहन। (छाया : दुग्गल)

# योग व प्राकृतिक चिकित्सा कार्यक्रम में गुरुकुल विद्यार्थियों ने दिखाए करतब

कुरुक्षेत्र, 13 नवंबर (जसबीर दुग्गल) : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (निट) में योग व प्राकृतिक चिकित्सा कार्यक्रम संस्थान के ओपन एयर थियेटर में हुआ। संस्थान के निदेशक प्रो. आनंद मोहन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जबकि गुरुकुल प्राचार्य डा. देवव्रत आचार्य ने बतौर मुख्या वक्ता शिरकत की। कार्यक्रम में गुरूकुल के योग साधकों द्वारा योग, जिमनास्टिक व मलखंब की विशिष्ट कलाओं का शानदार प्रदर्शन भी किया गया। प्रो. आनन्द मोहन ने डा. देवव्रत आचार्य को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्थान के डीन (योजना व विकास) प्रो. वी.के. सहगल, डीन (शिक्षक कल्याण) प्रो. ए. स्वरूप, डीन (छात्र कल्याण) प्रो. पी.जे. फिलिप, डीन (संपदा विभाग) प्रो. के.के. सिंह, डा. रतना दहिया (अध्यक्ष खेलकूद, महिला वर्ग), डा. सतहंस (प्रभारी स्वास्थ्य चिकित्सा केंन्द्र), प्रो. वी.पी. सिंह (चीफ वार्डन पुरूष वर्ग), डा. सरस्वती सेतिया (चीफ वार्डन महिला वर्ग), खेलकूद अधिकारी मिस पल्लवी राय व शहाबुद्दीन सहित काफी संख्या में शिक्षकगण, कर्मचारीगण व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

# विद्यार्थी दिवस के मौके पर पुरानी स्मृतियां हुईं ताजा

Dainik Jagran
19/11/14

संगोष्ठी में प्रतिभागियों का अभिवादन करते संस्थान के निदेशक प्रो. आनंद मोहन।

**जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र** : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (निट) में अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार देर सांय संस्थान के प्रशासनिक भवन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निट के कई पूर्व छात्रों और शिक्षकों ने अपने छात्र जीवन समय की यादों को ताजा किया। कार्यक्रम में आए लोगों ने अपने समय में आने वाली दिक्कतों और अब हो चुके सुधारों पर विशेष चर्चा की। विशेषज्ञों ने शिक्षा में सुधार विषय पर अपने विचार रखे।

संस्थान के निदेशक प्रो. आनंद मोहन ने कहा कि पुराने समय और अब, शिक्षा के सुधार विषय पर विशेषज्ञ बेहतर राय दे सकते हैं। इन्हें पूरा कर शिक्षा का प्रभावी और रोजगारपरक बनाया जा सकता है। संस्थान के पूर्व छात्र अनुराग कुन्डू ने अपने छात्र जीवन की यादों को सांझा करते हुए बताया कि किस प्रकार से उनके द्वारा एनजीओ (टीच फॉर इंडिया) का हिस्सा बनने में संस्थान के संगठन 'शिक्षा' की अहम भूमिका रही। तत्पश्चात आयोजित पैनल चर्चा में संस्थान की छात्रा नेहा ने भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति व उसकी वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला, वहीं संस्थान के छात्र संदीप ने देश की प्राथमिक शिक्षा को बेहतर बनाने के उपाए सुझाए। तीसरे विशेषज्ञ इकबाल ने शिक्षा को विश्व-स्तरीय बनाने व इसके अंतरराष्ट्रीयकरण पर जोर दिया।

अलंकरण : नोवेल मेटेरियल्स के विकास में योगदान करने पर मिला सम्मान

# निट के प्रो. रामसेवक को आइईटीई पुरस्कार

Dainik Jagran 23/11/14

नई दिल्ली में आयोजित तकनीकी सम्मेलन में डॉ. रामसेवक सिंह को सम्मानित करते गवर्निंग काउंसिल। जागरण

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (निट) के भौतिकी विभाग के सहायक प्रो. डॉ. राम सेवक सिंह को प्राप्त आइईटीई 2014 पुरस्कार से नवाजा गया हैं। उन्हें यह पुरस्कार अल्ट्रावायलेट एंड वेवलेंथ इंडिपेंडेंट फोटोडेटेक्टर्स के लिए नोवेल मेटेरियल्स के विकास में उनके अतुलनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। पुरस्कार सम्मान उन्हें आइईटीई दिल्ली में आयोजित तकनीकी सम्मेलन में गवर्निंग काउंसिल ऑफ आइईटीई के द्वारा दिया गया है, जिसमे उन्हें स्वर्ण पदक, प्रशस्ति पत्र व दस हजार रुपये नगद पुरस्कार के रूप में प्रदान किए गए हैं।

निट प्रवक्ता प्रो. पीजे फिलिप ने बताया कि डॉ. सिंह एक उत्कृष्ट शोधकर्ता व शिक्षक है। उनका शैक्षणिक जीवन काफी उत्तम व उज्जवल रहा हैं। उन्होंने अपनी

- 10 हजार रुपये के साथ दिया गया एक प्रशस्ति पत्र

एमटेक आईआईटी खड़गपुर से मैटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग मे पूर्ण करने के पश्चात नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर से अपनी उच्चतर शिक्षा प्राप्त की।

उन्होंने अपने शोधपत्र को अनेक अंतर्राष्ट्रीय समाचार पत्रिकाओं मे प्रकाशित कराया, जिसमे जानी-मानी पत्रिका 'नैनो लेटर' ने उनकी शोध सामर्थ को उजागर किया है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो आनंद मोहन ने डॉ. सिंह को बधाई देते हुए कहा की यह पुरस्कार डॉ. सिंह ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण संस्थान के लिए एक गौरव की बात है। यह सम्मान मिलने पर संस्थान के शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी है।

# 'देश के विकास के लिए सुशासन आवश्यक'

Dainik Jagran 09/12/14

- अच्छे शासन में नवीनीकरण की उपयोगिता पर डाला प्रकाश
- बीटेक के आशीष गर्ग ने प्राप्त किया तीसरा स्थान

**जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र :** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. आनंद मोहन ने कहा कि देश में विकास के लिए सुशासन की बेहद आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अच्छे अनुशासन की भावना से हमें प्रतिदिन ओत-प्रोत रहना चाहिए। आधुनिक तकनीक का प्रयोग यदि शासन तंत्र में शामिल किया जाए तो इससे संबंधित सभी प्रकार की गतिविधियों में तेजी आएगी व कर्मचारी वर्ग पर निर्भरता कम हो जाएगी। वे मंगलवार को एमबीए विभाग की ओर से सुशासन दिवस कार्यक्रम में बोल रहे थे।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार के दिशा-निर्देश के अनुसार मनाया गया। इस संदर्भ में संस्थान में दो विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गुड गवर्नेंस डे के उपलक्ष्य में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में 'अच्छे शासन में तकनीक एवं नवीनीकरण की उपयोगिता' विषय पर प्रकाश डाला गया। भाषण प्रतियोगिता में संस्थान के कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इसी प्रकार संस्थान में आयोजित दूसरे कार्यक्रम में सभी गण्यमान्य व्यक्तियों ने इस विषय पर

निट में कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते संस्थान के निदेशक प्रो. आनंद मोहन।

अपनी-अपनी अभिव्यक्ति प्रस्तुत की, जिसमें मेकैनिकल विभाग के प्रो. दिनेश खण्डूजा को प्रथम घोषित किया गया। मेडिकल विभाग के डॉ. सुमित दूसरे स्थान पर रहे। भाषण प्रतियोगिता में संस्थान के विद्यार्थियों ने हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने विकसित देशों में चल रही परंपराओं की विस्तार से चर्चा की। प्रतियोगिता में बीटेक प्रथम वर्ष के छात्र हर्षित को विजेता घोषित किया गया। बीटेक द्वितीय वर्ष की छात्रा रिमशा गुमर द्वितीय स्थान पर रही। आशीष गर्ग बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इस आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. वीके सहगल, प्रो. जितेन्द्र छाबड़ा व प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने समन्वयक की भूमिका अदा की।